मन मस्त फकीरी धारी है लिरिक्स

मन मस्त फ़कीरी धारी है
अब एक ही धुन जय जय भारत ॥

हम धन्य है इस जगजननी की
सेवा का अवसर है पाया
इसकी माटी वायु जल से
दुर्लभ जीवन है विकसाया
यह पुष्प इसी के चरणोमे
माँ प्राणो से भी प्यारी है ॥

सुन्दर सपने नव आकर्षण
सब तोड चले मुख मोड चले
वैभव महलों का क्या करना
सोते सुख से आकाश तले
साधन की ओर ना ताकेंगे
काँटों की राह हमारी है ॥

ऋषियों मुनियों संतो का तप
अनमोल हमारी थाती है
बलदानी वीरो की गाथा
अपने रग रग लहराती है
गौरवमय नव इतीहास रचे
अब अपनी ही तो बारी है ॥

https://allbhajanlyrics.com/man-mast-fakri-dhari-hai-lyrics/

दिल दिया है जान भी देंगे ऐ वतन तेरे लिए लिरिक्स

कर चले हम फ़िदा जान-ओ-तन साथियो लिरिक्स